विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 20-06-2021

वर्ग-षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

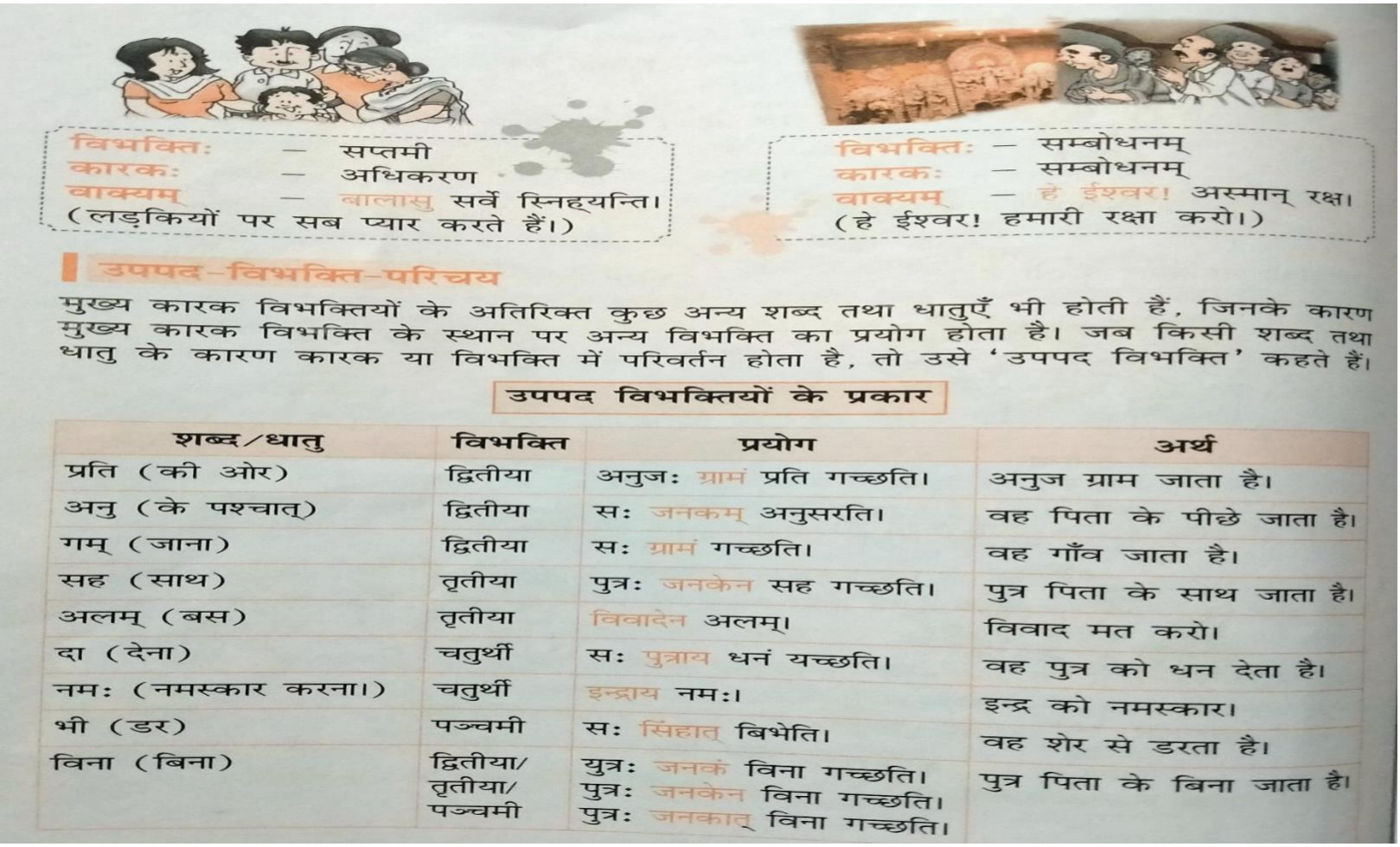

विभक्तिः — सप्तमी
कारकः — अधिकरण
वाक्यम् — बालासु सर्वे स्निह्यन्ति।
(लड़कियों पर सब प्यार करते हैं।)

विभक्तिः — सम्बोधनम्
कारकः — सम्बोधनम्
वाक्यम् — हे ईश्वर! अस्मान् रक्ष।
(हे ईश्वर! हमारी रक्षा करो।)

उपपद-विभक्ति-परिचय

मुख्य कारक विभक्तियों के अतिरिक्त कुछ अन्य शब्द तथा धातुएँ भी होती हैं, जिनके कारण मुख्य कारक विभक्ति के स्थान पर अन्य विभक्ति का प्रयोग होता है। जब किसी शब्द तथा धातु के कारण कारक या विभक्ति में परिवर्तन होता है, तो उसे 'उपपद विभक्ति' कहते हैं।

उपपद विभक्तियों के प्रकार

शब्द/धातु	विभक्ति	प्रयोग	अर्थ
प्रति (की ओर)	द्वितीया	अनुजः ग्रामं प्रति गच्छति।	अनुज ग्राम जाता है।
अनु (के पश्चात्)	द्वितीया	सः जनकम् अनुसरति।	वह पिता के पीछे जाता है।
गम् (जाना)	द्वितीया	सः ग्रामं गच्छति।	वह गाँव जाता है।
सह (साथ)	तृतीया	पुत्रः जनकेन सह गच्छति।	पुत्र पिता के साथ जाता है।
अलम् (बस)	तृतीया	विवादेन अलम्।	विवाद मत करो।
दा (देना)	चतुर्थी	सः पुत्राय धनं यच्छति।	वह पुत्र को धन देता है।
नमः (नमस्कार करना।)	चतुर्थी	इन्द्राय नमः।	इन्द्र को नमस्कार।
भी (डर)	पञ्चमी	सः सिंहात् बिभेति।	वह शेर से डरता है।
विना (बिना)	द्वितीया/ तृतीया/ पञ्चमी	युत्रः जनकं विना गच्छति। पुत्रः जनकेन विना गच्छति। पुत्रः जनकात् विना गच्छति।	पुत्र पिता के बिना जाता है।

अभ्यासाः (*Exercises*)

1. **उचितकर्तृपदैः रिक्तस्थानानि पूरयत–**
उचित कर्ता पदों से रिक्तस्थानों को पूरा कीजिए–

(*i*) .... पठन्ति।
(क) बालः (ख) बालाः (ग) बालम् (घ) बालान्

(*ii*) .... पठति।
(क) सः (ख) ते (ग) तौ (घ) त्वम्

(*iii*) .... पठतः।
(क) तौ (ख) ताः (ग) तम् (घ) सः

(*iv*) .... पठति।
(क) बालः (ख) बालिकाः
(ग) बालौ (घ) बालान्

(*v*) .... पठन्ति।
(क) नरः (ख) नराः (ग) नरौ (घ) नरेण

2. **द्वितीया-विभक्तियुक्तपदैः रिक्तस्थानानि पूरयत–**
द्वितीया-विभक्तियुक्त पदों से रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए–

(*i*) सः .... आरोहति। (वृक्षम्, वृक्षे, वृक्षात्)
(*ii*) बालाः .... खादन्ति। (फलानि, फलानाम्, फलेषु)
(*iii*) तौ .... खादतः। (भोजनम्, भोजनेन, भोजनस्य)
(*iv*) ते .... गच्छन्ति। (नगरम्, नगरे, नगरात्)
(*v*) नराः .... कुर्वन्ति। (कार्यम्, कार्येण, कार्यस्य)

3. **कोष्ठकप्रदत्तशब्दैः सह तृतीयाविभक्तिं प्रयुज्य रिक्तस्थानानि पूरयत–**
कोष्ठक में दिए शब्दों के साथ तृतीया विभक्ति का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए–

(*i*) बालः .... खेलति। (कन्दुक)
(*ii*) गजाः .... चलन्ति। (पाद)
(*iii*) बालाः .... धावन्ति। (पाद)
(*iv*) बालाः .... खेलन्ति। (हस्त)
(*v*) सः .... लिखति। (कलम)